सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

14 अगस्त

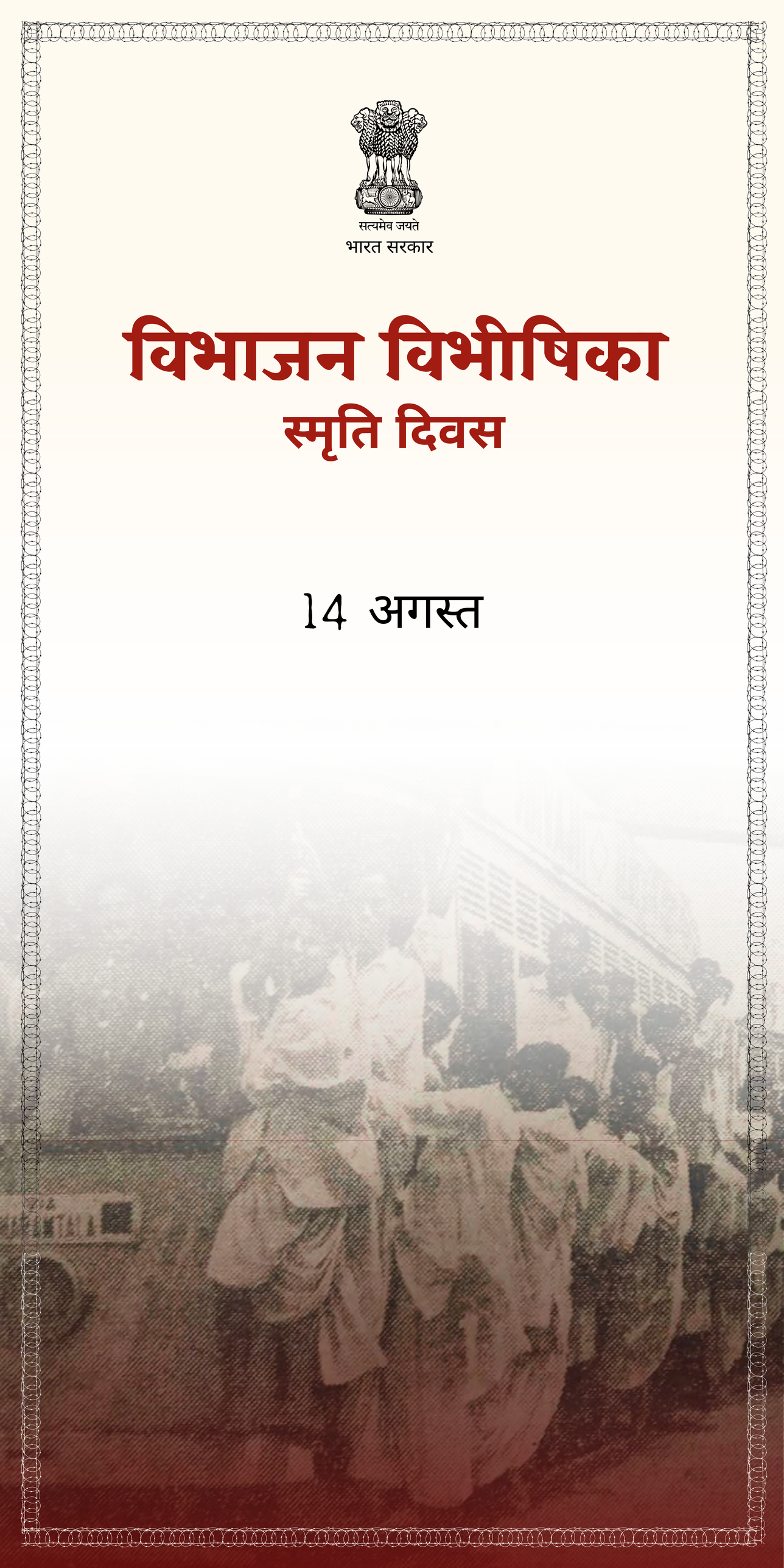

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



माननीय प्रधान मंत्री
श्री नरेंद्र मोदी

"देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। उन लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है।"

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

पृष्ठभूमि

भारत का विभाजन अपने सबसे बुनियादी रूप में अभूतपूर्व मानव विस्थापन और जबरन पलायन की कहानी है। यह एक ऐसी कहानी है जिसमें लाखों लोगों ने ऐसे वातावरण में नए घर तलाशे जो उनके लिए अजनबी और प्रतिरोधी थे। आस्था और धर्म पर आधारित हिंसक विभाजन की कहानी होने के साथ-साथ यह एक ऐसी कहानी भी है कि कैसे एक जीवन शैली और सह-अस्तित्व सदियो का अचानक और नाटकीय रूप से समाप्त हो गए।

लगभग 6 मिलियन गैर-मुस्लिम बाद में कहलाये पश्चिमी पाकिस्तान से निकले गए और अन्य 6.5 मिलियन मुस्लिम पंजाब, दिल्ली आदि के भारतीय हिस्से से पश्चिमी पाकिस्तान चले गए। भारत के पूर्वी हिस्से में, अनुमानतः 2 मिलियन गैर-मुस्लिम पूर्वी बंगाल (पाकिस्तान) से निकले गए और बाद में 1950 में अन्य 2 मिलियन गैर-मुस्लिम पश्चिम (भारत) बंगाल में आए। अनुमान है कि लगभग एक मिलियन मुस्लिम पश्चिम बंगाल से चले गए थे।

मारे गए लोगों का अनुमान 500,000 से 1,000,000 से अधिक है। आम तौर पर स्वीकृत आंकड़ा लगभग 500,000 है।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



नेहरू, माउंटबेटन एवं जिन्ना

विभाजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत की स्वतंत्रता आसान नहीं थी; इसके साथ भीषण सांप्रदायिक हिंसा आई जिसने एक मिलियन से अधिक लोगों की जान ले ली। अलग पाकिस्तान की मांग और डायरेक्ट एक्शन की धमकी ने इस स्थिति को और भी जटिल बना दिया, जिसमें धर्म एक मुख्य कारण था। ब्रिटिशों की 'फूट डालो और राज करो' नीति ने भारत में सांप्रदायिकता के बीज बोए, जिसे बाद में जिन्ना और मुस्लिम लीग ने अपने दो-राष्ट्र सिद्धांत के साथ बढ़ावा दिया। यही पाकिस्तान के निर्माण का मुख्य कारण बना। कुछ ही हफ्तों में 12 मिलियन लोगों ने, जिनमें अधिकांश हिंदू और सिख थे, नई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार किया। एक मिलियन से अधिक लोग मारे गए, हजारों बच्चे लापता हो गए, हजारों महिलाओं का बलात्कार हुआ, और पंजाब और पश्चिम बंगाल विशेष रूप से अराजकता की स्थिति में थे।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

“ब्रिटिश सरकार न्यायकर्ता की बजाय मध्यस्थ थी”



जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, आचार्य कृपलानी, सरदार बलदेव सिंह, सरदार अब्दुर निश्जर, लियाकत अली और मोहम्मद अली जिन्ना के साथ वायसराय माउंटबेटन।

20 फरवरी, 1947 को ब्रिटिश प्रधान मंत्री क्लेमेंट एटली ने हाउस ऑफ कॉमन्स में घोषणा की थी कि सरकार ने 30 जून, 1948 से पहले सत्ता का हस्तांतरण कर भारत छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि पूरी प्रक्रिया को लॉर्ड माउंटबेटन द्वारा तेजी से एक साल पहले किया गया था। माउंटबेटन 31 मई, 1947 को लंदन से सत्ता के हस्तांतरण पर मंजूरी लेकर नई दिल्ली लौटे थे। 2 जून, 1947 की ऐतिहासिक बैठक में विभाजन की योजना पर मोटे तौर पर सहमति बनी थी। भारत के विभाजन का निर्णय एक पूर्व शर्त की तरह था। सामान्य तौर पर इस योजना का व्यापक विरोध हुआ और विशेष रूप से इस विचार का कि भारत जैसे देश का विभाजन धार्मिक आधार पर किया जाना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि इस विभाजन के लिए वे ही नेता मानसिक रूप से तैयार थे, जिन्हें इस विभाजन में अपना हित और उज्ज्वल भविष्य दिख रहा था।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

ऐतिहासिक पत्रकार सम्मेलन
4 जून, 1947



"We Are In A Hurry To Quit"

"YOU MUST DECIDE YOUR FATE AT ONCE"- MOUNTBATTEN'S APPEAL TO PRINCES

From Our Special Correspondent

NEW DELHI, June 3.

While the latest British plan here is no alternative—conforms substantially to your correspondent's earlier messages, some important points have not yet come to light.

Lord Mountbatten told ... backed the Sikh case, which was presented by Sardar Baldev Singh—the Punjab being their only homeland.

It is understood that the assurance to the Sikhs in the Viceroy's broadcast is well meant and

नई दि ल्ली में 4 जून, 1947 को वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने एक ऐति हासि क पत्रकार सम्मेलन को संबोधि त किया। जैसे ही वायसराय ने पहले के समय से लगभग एक साल पहले सत्ता हस्तांा तरण योजना की घोषणा की, उसके बाद कई प्रश्न पूछे गए। सबसे महत्वर्पूण प्रश्न जनसंख्या के स्थानांतरण के बारे में था। वायसराय का उत्तर था : 'व्यक्तिगत रूप से मैं कोई दिक्कत नही देखता, स्थानांतरण के कुछ उपाय स्वाभाविक रूप से आएंगे... लोग अपने आप को स्थानांतरित कर लेंगे...' (द ट्रिब्यून, 5 जून, 1947) । बाद में देखा गया कि लॉर्ड माउंटबेटन का यह कथन वास्तविकता से कितना दूर था। विभाजन के फलस्वरूप 1.3 करोड़ लोग अपनी जड़ों से उखड़ कर विस्थापि त होने के लिए बाध्य कर दिए गए थे।



सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

विभाजन के लिए संकल्पबद्ध मुस्लिम लीग



इलस्ट्रेटेड लंदन न्यूज, 5 जुलाई, 1947
डिजिटल फोटो अ्रिका इव्स एनएमएमएल, नई दिल्ली

अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की बैठक 9 जून, 1947 को नई दि ल्ली के इम्पीरियल होटल में हुई थी। विभाजन की मांग वाला प्रस्ताव लगभग स्वसम्मति से पारित हुआ, जिसमे पक्ष में 300 और विरोध में मात्र 10 मत पड़े। लीग के कई नेता पाकिस्तान के नए अधि राज्य के दो भागोंं, पूरब और पश्चिम में, विभाजित होने से नाखुश थे। जैसा कि समय ने साबि त किया, यह एक व्यावहारिक विचार नही था। कालांतर में यह सिद्ध भी हो गया। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से अलग हो गया और एक नए स्वतंत्र राज्य के रूप मे बांग्लादेश का गठन हुआ।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

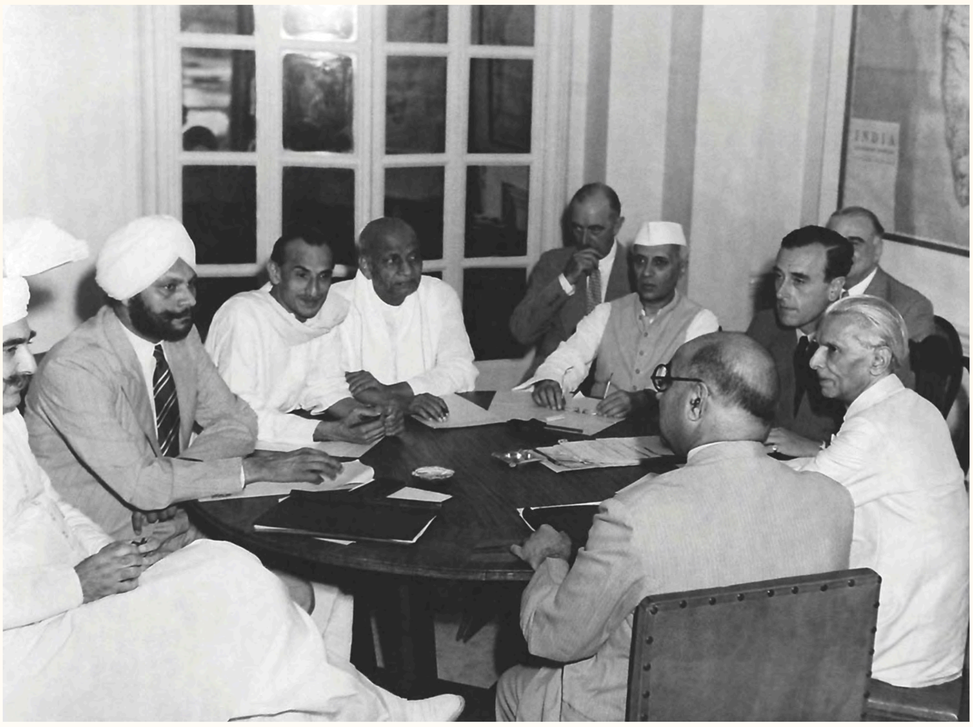

2 जून 1947 को भारतीय नेताओ ंके साथ बैठक। माउंटबेटन के बाएं से जिन्ना, लियाकत अली खान, सरदार अब्रदु रब नि श्तार, सरदार बलदेव सिंह,आर्चा्य कृपलानी, सरदार पटेल और पंडि त नेहरू।आर्चा्य कृपलानी, सरदार पटेल और पंडित नेहरू।

लॉर्ड माउंटबेटन ने 4 जून को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, 14/15 अगस्त को स्वतंत्रता की तारीख के रूप में घोषित किया। यह आकस्मिक था। माउंटबेटन द्वारा घोषित समय सारिणी पर अमल के लिए 18 जुलाई को ब्रिटिश संसद द्वारा भारत का स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया गया था।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

प्रेस की राय: 'यह दुखद है कि भारत को स्वतंत्र राज्य का दर्जा विभाजन में मिला न कि एकता में'

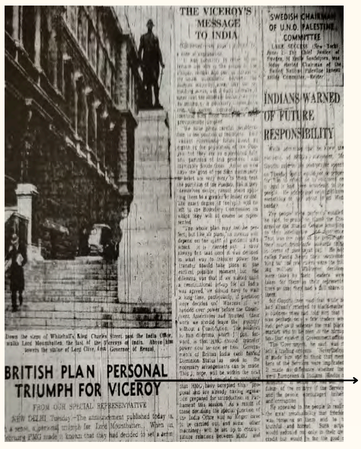
THE VICEROY'S MESSAGE TO INDIA

SWEDISH CHAIRMAN OF U.N.O. PALESTINE COMMITTEE

INDIANS WARNED OF FUTURE RESPONSIBILITY

BRITISH PLAN PERSONAL TRIUMPH FOR VICEROY

FROM OUR SPECIAL REPRESENTATIVE

→ **ब्रिटिश योजना वायसरॉय के लिए व्यक्तिगत जीत**

जो लोग कह रहे हैं कि भारत का विभाजन लगभग अपरिहार्य हो गया है और साथ ही, अपने देशवासियों से स्वतंत्रता के उपहार को प्राप्त करने के लिए तैयार होने की अपील कर रहे हैं, वे विरोधाभासी शब्दों में बात कर रहे हैं। मेरी राय में नेता...
ब्रिटिश कूटनीति के शिकार हो गए हैं।

- बाबा खड़क सिंह, पंजाब के वरिष्ठ और अत्यधिक सम्मानित नेता
- द ट्रिब्यून, 25 जून, 1947

सर रेडक्लिफ, वह व्यक्ति जिन्हें विभाजन के लिए रेखा खीचने का काम सौपा गया था। वह पहले कभी भारत नही आए थे। उनके पास जटिलताओं को समझने का कोई तरीका नही था। जब उनसे पहली बार पंजाब सीमा आयोग के प्रमुख के रूप में दायित्व निभाने के लिए संर्पक किया गया था, उनसे जून 1948 तक कार्य पूरा करने की उम्मीद की गई थी। लेकिन जैसा कि सत्ता हस्तान्तरण का कार्य तीव्र कर दिया गया था, उनके पास रेखा खीचने के लिए महज तीन सप्ताह था। इस प्रक्रिया को एक व्यक्तिगत एजेंडे की तरह लागू किया गया था। रिर्पोट से पता चलता है कि पूरी योजना और इसके कार्यान्वयन को समय से पहले किए जाने को, वायसराय की व्यक्तिगत जीत के रूप में देखा गया था ।



सर सी. जे. रैडक्लिफ (30 मार्च, 1899- 1 अप्रैल , 1977)

'खतरनाक सिद्धांत - अर्थात् एक व्यक्ति धर्म के साथ अपनी राष्ट्रीयता बदलता है'

"स्पष्ट रूप से मैं समझ नही पा रहा हूँ... विभाजन की ब्रिटि श योजना को स्वीकार करने के पीछे का कारण क्या है... मैं अपनी सरकार का सर्मथन करने के लिए बाध्य हूं... मुझे यह कहते हुए खेद है कि...हमने एक खतरनाक सिद्धांत को स्वीकार कर लिया है यानी एक व्यक्ति धर्म के साथ अपनी राष्ट्रीयता बदलता है...क्या इस प्रतिक्रियावादी सिद्धांत की स्वीकृति से भारत को गृहयुद्ध से बचने में मदद मिलेगी, मुझे नही पता। विलियम डोबी, संसद सदस्य, हाउस ऑफ कॉमन्स
- द ट्रिब्यून, 6 जून, 1947

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

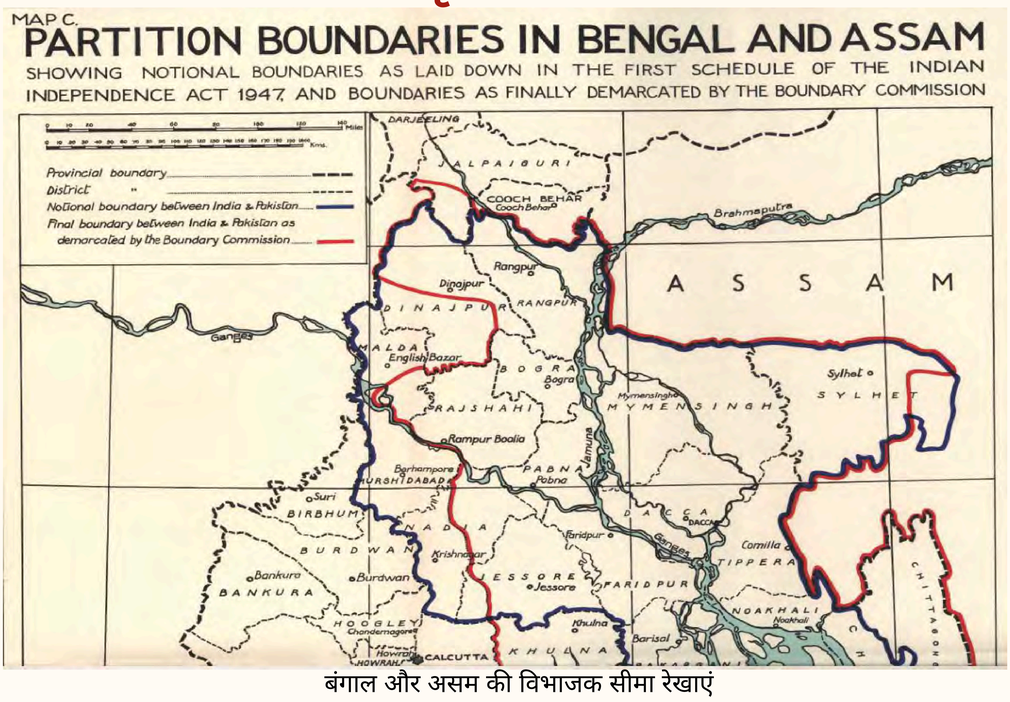

बंगाल और असम की विभाजक सीमा रेखाएं

जून 1947 में, माउंटबेटन ने सर सिरिल रैडक्लिफ (बैरिस्टर) को दो सीमा आयोगों की अध्यक्षता करने के लिए कहा - एक बंगाल के लिए और एक पंजाब के लिए। उन्हें भारत का कोई ज्ञान नही था और वे इससे पहले कभी भारत नही आए थे। माउंटबेटन ने इसे एक अनुकूल बिन्दु माना क्योंकि कोई भी
उन पर पक्षपाती होने का आरोप नही लगा सकता था। सीमा आयोग के सदस्य समान रूप से अलग-अलग थे, और विभाजन पर सहमत नही हुए थे। इस प्रकार निर्णय लेने की जिम्मेदारी रैडक्लिफ को सौप दी गई थी। वे 8 जुलाई को भारत आए और उन्होंने 12 अगस्त तक अपनी रिर्पोट पूरी कर ली थी



सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

पंजाब की तुलना में बंगाल में दशको तक जारी विस्थापन और पुनर्वासका रूप अलग ही था। अधिकारियो ने संकट की भयावहता को कम करके आँका, और न सिर्फ शरणार्थियों को अपने घर लौटने के लिए प्रेरित किया, बल्कि पूर्वी बंगाल के विस्थापितों को किसी भी तरह की राहत देने से इनकार कर दिया

रानाघाट, पश्चिम बंगाल में परिव हन की प्रतीक्षा में शरणार्थी ।

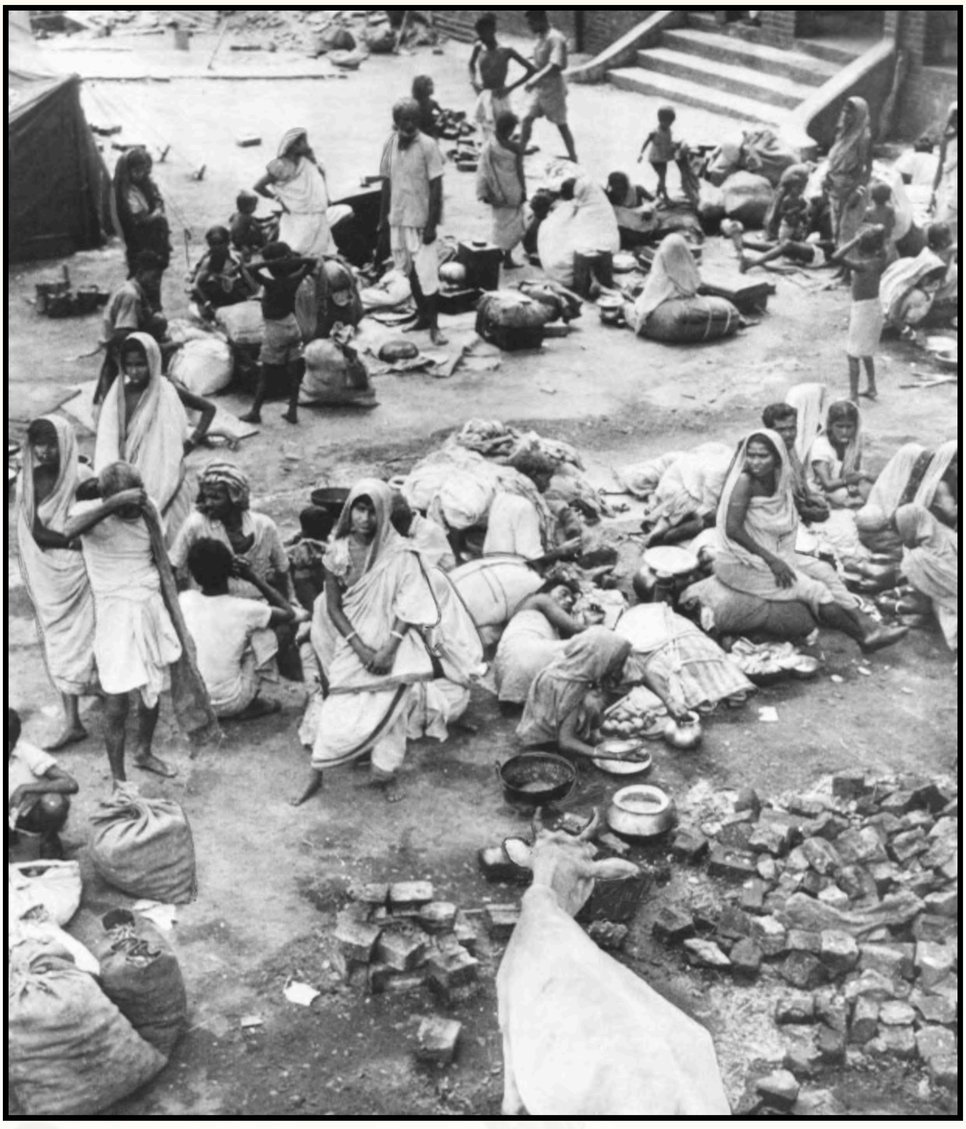

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



सुहरावर्दी और जिन्ना

सांप्रदायिक दंगों को भड़काने वाले कारक तत्व

भारत के विभाजन के इतिहास का उल्लेख 1946 के दर्दनाक कलकत्ता हत्याकांड के बिना अधूरा है, जब कलकत्ता को सांप्रदायिक उन्माद की शक्तियों ने अपने कब्जे में ले लिया था। मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान के निर्माण के एकमात्र एजेंडे पर चुनाव लड़ा था। प्रचार यह था कि यह अभियान ब्रिटिशों के खिलाफ है, लेकिन वास्तव में यह सिखों और हिंदुओं के खिलाफ था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा दो-राष्ट्र सिद्धांत को खारिज कर दिए जाने के बाद, जिन्ना ने 'डायरेक्ट एक्शन' की योजना बनाई।
जिन्ना ने कहा था, “हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन यदि आप चाहते हैं, तो हम उसे स्वीकार करेंगे। हमें या तो विभाजित भारत चाहिए या नष्ट भारत।”

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

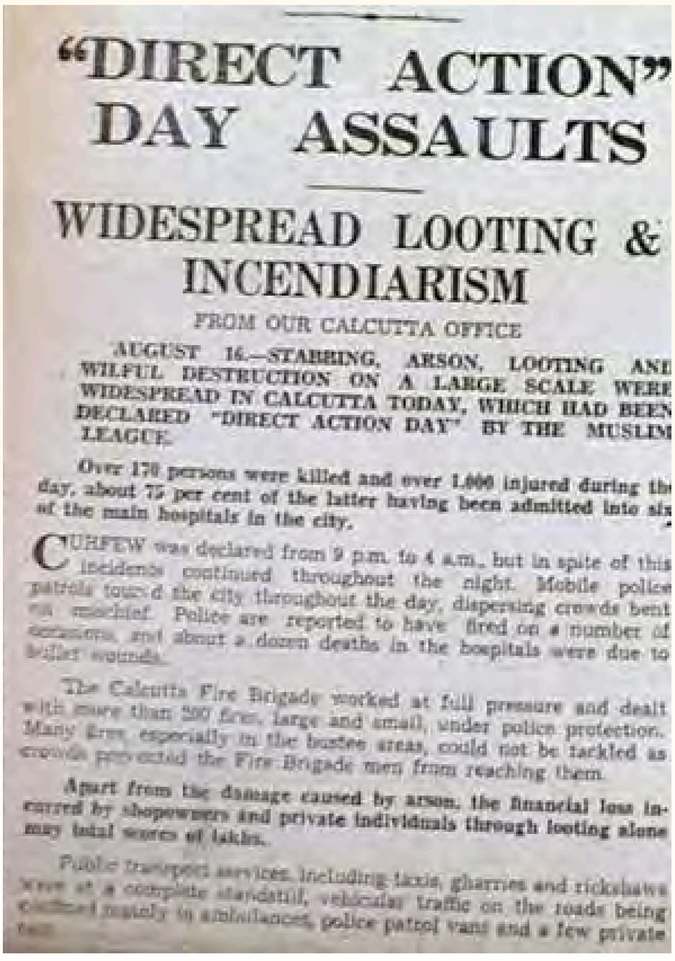

"DIRECT ACTION" DAY ASSAULTS

WIDESPREAD LOOTING & INCENDIARISM

FROM OUR CALCUTTA OFFICE

AUGUST 16.—STABBING, ARSON, LOOTING AND WILFUL DESTRUCTION ON A LARGE SCALE WERE WIDESPREAD IN CALCUTTA TODAY, WHICH HAD BEEN DECLARED "DIRECT ACTION DAY" BY THE MUSLIM LEAGUE.

Over 170 persons were killed and over 1,000 injured during the day, about 75 per cent of the latter having been admitted into six of the main hospitals in the city.

CURFEW was declared from 9 p.m. to 4 a.m., but in spite of this incidents continued throughout the night. Mobile police patrols toured the city throughout the day, dispersing crowds bent on mischief. Police are reported to have fired on a number of occasions, and about a dozen deaths in the hospitals were due to bullet wounds.

The Calcutta Fire Brigade worked at full pressure and dealt with more than 200 fires, large and small, under police protection. Many fires, especially in the bustee areas, could not be tackled as crowds prevented the Fire Brigade men from reaching them.

Apart from the damage caused by arson, the financial loss incurred by shopowners and private individuals through looting alone may total scores of lakhs.

Public transport services, including taxis, gharries and rickshaws were at a complete standstill, vehicular traffic on the roads being confined mainly to ambulances, police patrol vans and a few private cars.

अमृत बाज़ार पत्रिका (18 अगस्त 1946)

कलकत्ता के मेयर सैयद मुहम्मद उस्मान ने मुस्लिम लीग के प्रचार को अपना पूर्ण समर्थन दिया और एक व्यापक रूप से प्रसारित पत्रक जारी किया, जिसमें कहा गया था "काफ़र! तोडर धोंगशेर आर डेरी नेई! सरबिक होत्याकांडो घोटबेई! (काफिरों, तुम्हारा अंत दूर नहीं है! तुम्हारा कत्लेआम किया जाएगा)" मुस्लिम लीग के एजेंडे के अनुसार दंगों को सफल बनाने के लिए, कलकत्ता या उसके आसपास के हिंदू पुलिस अधिकारियों को अवकाश पर भेज दियाI गया या जानबूझकर स्थानांतरित कर दिया गया और बंगाल के तत्कालीन प्रधान मंत्री एचएस सुहरावर्दी द्वारा 24 में से लगभग 22 पुलिस स्टेशनों में मुस्लिम अधिकारियों को प्रतिस्थापित किया गया। यह स्वभाविक ही था कि इन अधिकारियों ने कलकत्ता में हिंदुओं के कत्लेआम, बलात्कार और लूटपाट में सहायता की थी।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



उत्तरी कलकत्ता में दंगे सुहरावर्दी के प्रशासन द्वारा समर्थित थे

दिनांक 1 अगस्त 1946 को उर्दू अख़बार 'असरे जदीद' ने 'डायरेक्ट एक्शन' शीर्षक नामक एक संपादकीय प्रकाशित किया। इस लेख में, इसने डायरेक्ट एक्शन के लिए ब्रिटिश शासन को दोषी ठहराया। लेख में यह कहा गया कि, "संविधान सभा के चुनाव में अपने मत का प्रयोग न करने वाले ये अंग्रेज़ ही वर्तमान स्थिति के लिए ज़िम्मेदार हैं।" इसने कांग्रेस को खुश करने और हिंदुओं को मुस्लिम हितों के ख़िलाफ़ खड़ा करके साज़िश रचने के लिए अंग्रेजों को दोषी ठहराया। लेख में यह कहा गया कि, "उनके ख़िलाफ़ डायरेक्ट एक्शन लिया जाना चाहिए। मुसलमानों के लिए, डायरेक्ट एक्शन का मतलब लड़ाई है और लड़ाई का मतलब हिंसा है। डायरेक्ट एक्शन सविनय अवज्ञा नहीं हो सकता है, यह विद्रोह की प्रकृति में होगा। मुसलमानों के प्रति अंग्रेजों की कृतघ्नता के कई उदाहरण हैं और इसलिए कांग्रेस को सत्ता सौंपने का अंग्रेजों का फ़ैसला आश्चर्यजनक नहीं है।" सुरंजन दास ने अपनी पुस्तक - कम्युनल राइट्स इन बंगाल 'कौमी जंग का तब्ल-ए-बाज़ आया' शीर्षक वाले एक और पर्चे का हवाला दिया, जिसका अर्थ है 'अपनी कौम के लिये जंग का बिगुल बज गया है'।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



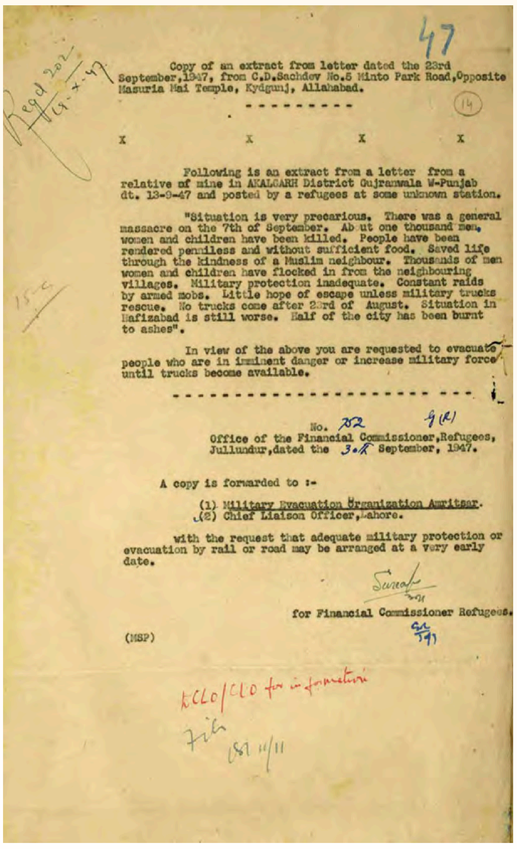

47

Copy of an extract from letter dated the 23rd September,1947, from C.D.Sachdev No.5 Minto Park Road,Opposite Masuria Mai Temple, Kydgunj, Allahabad.

X X X X

Following is an extract from a letter from a relative of mine in AKALGARH District Gujranwala W-Punjab dt. 13-9-47 and posted by a refugees at some unknown station.

"Situation is very precarious. There was a general massacre on the 7th of September. Ab-ut one thousand men, women and children have been killed. People have been rendered penniless and without sufficient food. Saved life through the kindness of a Muslim neighbour. Thousands of men women and children have flocked in from the neighbouring villages. Military protection inadequate. Constant raids by armed mobs. Little hope of escape unless military trucks rescue. No trucks come after 23rd of August. Situation in Hafizabad is still worse. Half of the city has been burnt to ashes".

In view of the above you are requested to evacuate people who are in imminent danger or increase military force until trucks become available.

No. 252 9(R)
Office of the Financial Commissioner,Refugees, Jullundur,dated the 3.8 September, 1947.

A copy is forwarded to :-

(1) Military Evacuation Organization Amritsar.
(2) Chief Liaison Officer, Lahore.

with the request that adequate military protection or evacuation by rail or road may be arranged at a very early date.

for Financial Commissioner Refugees.

(MSP)

1947 की हिंसा और विभाजन की घोषणा के परिणामस्वरूप लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



कफ़िलास में संभवत: सबसे अधिक संख्या में लोग पलायन कर गए, भीषण गर्मी और विशेष रूप से भारी मानसून की मूसलाधार बारिश में कई मील पैदल चलकर। जैसे-जैसे काफिला चलते थे, उन गांवों से अधिक से अधिक लोग जुड़ते जाते थे, जहां से वे गुजरते थे और काफिला की लंबाई बढ़ जाती थी, जो 10 मील से 27 मील तक फैल सकती थी और जिसमें हजारों लोग रहते थे।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

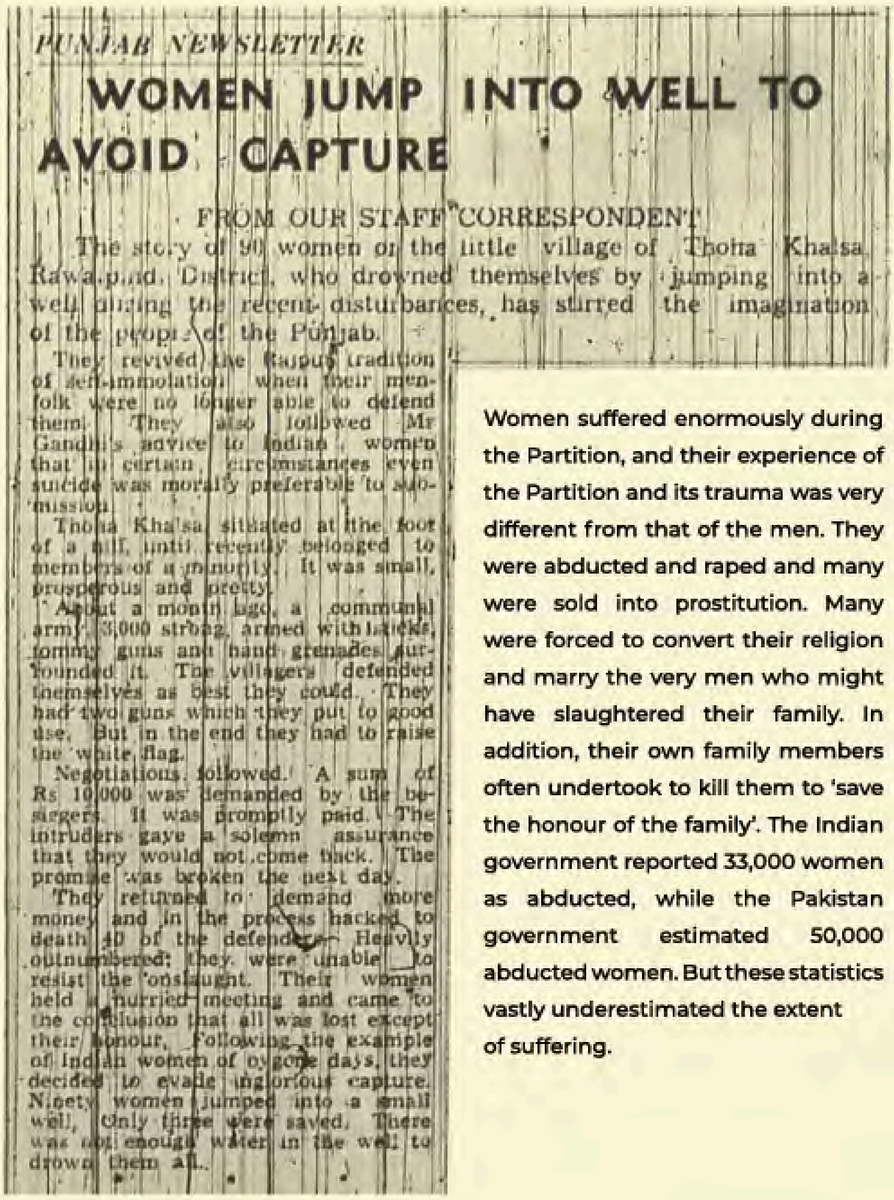

PUNJAB NEWSLETTER

WOMEN JUMP INTO WELL TO AVOID CAPTURE

FROM OUR STAFF CORRESPONDENT

The story of 90 women of the little village of Thoha Khalsa, Rawalpindi District, who drowned themselves by jumping into a well during the recent disturbances, has stirred the imagination of the people of the Punjab.

They revived the Rajput tradition of self-immolation when their menfolk were no longer able to defend them. They also followed Mr Gandhi's advice to Indian women that in certain circumstances even suicide was morally preferable to submission.

Thoha Khalsa situated at the foot of a hill, until recently belonged to members of a minority. It was small, prosperous and pretty.

About a month ago, a communal army, 3,000 strong, armed with lathis, tommy guns and hand grenades surrounded it. The villagers defended themselves as best they could. They had two guns which they put to good use. But in the end they had to raise the white flag.

Negotiations followed. A sum of Rs 10,000 was demanded by the besiegers. It was promptly paid. The intruders gave a solemn assurance that they would not come back. The promise was broken the next day.

They returned to demand more money and in the process hacked to death 40 of the defenders. Heavily outnumbered, they were unable to resist the onslaught. Their women held a hurried meeting and came to the conclusion that all was lost except their honour. Following the example of Indian women of bygone days, they decided to evade inglorious capture. Ninety women jumped into a small well. Only three were saved. There was not enough water in the well to drown them all.

Women suffered enormously during the Partition, and their experience of the Partition and its trauma was very different from that of the men. They were abducted and raped and many were sold into prostitution. Many were forced to convert their religion and marry the very men who might have slaughtered their family. In addition, their own family members often undertook to kill them to 'save the honour of the family'. The Indian government reported 33,000 women as abducted, while the Pakistan government estimated 50,000 abducted women. But these statistics vastly underestimated the extent of suffering.

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



मनुष्य और रेल, एस में चलने वाले दो लंबे संकेत
मंजिल तो मेरी है, फिर भी यात्रा बर्बाद हो गई

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

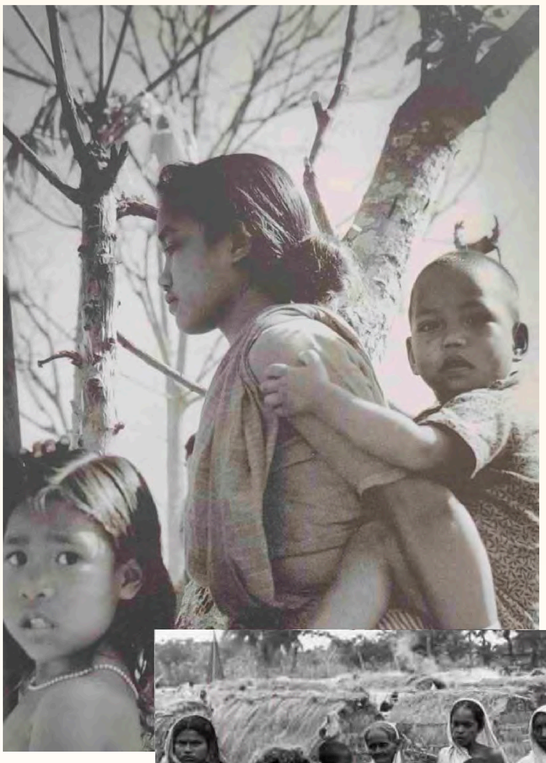



पलायन करते शरणार्थी

आम नागरिक की एक छवि शायद यह समझा देती है गई थी कि यह 'हंगामा' किस बात को लेकर था। इस मामले में यह कहना मुश्किल है कि यह परिवार बंगाल में पूर्व से पश्चिम की ओर जा रहा था या पश्चिम से पूर्व की ओर

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

शरणार्थी के पलायन का दृश्य



सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

रामगंज थाना क्षेत्र में पहला हमला

सबसे पहले हमला रामगंज पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एक बाजार में हिंदुओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों पर किया गया। जल्द ही, कट्टरपंथी भीड़ ने क्षेत्र के प्रतिष्ठित हिंदुओं, सुरेंद्र नाथ बसु और राजेंद्र लाल रॉयचौधरी के घरों पर हमला किया, जो नोआखली बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और एक प्रमुख हिंदू महासभा नेता थे। रॉयचौधरी को मुस्लिम गुंडों ने मौत के घाट उतार दिया और उनका कटा हुआ सिर सरवर को भेंट कर दिया। उनकी दो बेटियों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें सरवर के वफादारों को 'युद्ध लूट' के रूप में पेश किया गया। स्वतंत्रता सेनानी लालमोहन सेन, जिन्होंने 1930 में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी थी और 16 साल जेल में बिताए थे, को भी नहीं बख्शा गया। उन्हें भी लुटेरी भीड़ ने मार डाला और संद्वीप में उनके घर को तहस-नहस कर दिया। यह ध्यान देने योग्य है कि सेन कम्युनिस्ट बन गए थे और अपने बाद के जीवन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गए थे, लेकिन उनकी कम्युनिस्ट पहचान भी उन्हें इस्लामवादियों के प्रकोप से नहीं बचा सकी; उनकी नज़र में, रॉय सिर्फ़ एक हिंदू थे। पेट्रोल का इस्तेमाल करके कई हिंदू घरों को आग के हवाले कर दिया गया। संद्वीप जैसे दूरदराज के इलाकों में पेट्रोल का इस्तेमाल, जहाँ मोटर गाड़ियाँ मुश्किल से दिखाई देती थीं, यह साबित करता है कि इन हमलों के पूर्व नियोजित होने का प्रमाण हैं। यहाँ, द ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स और नोआखली दंगों से जुड़ी दुर्लभ अख़बारों की कटिंग और पत्रों के साथ एक गैलरी प्रदर्शित की जा रही है।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

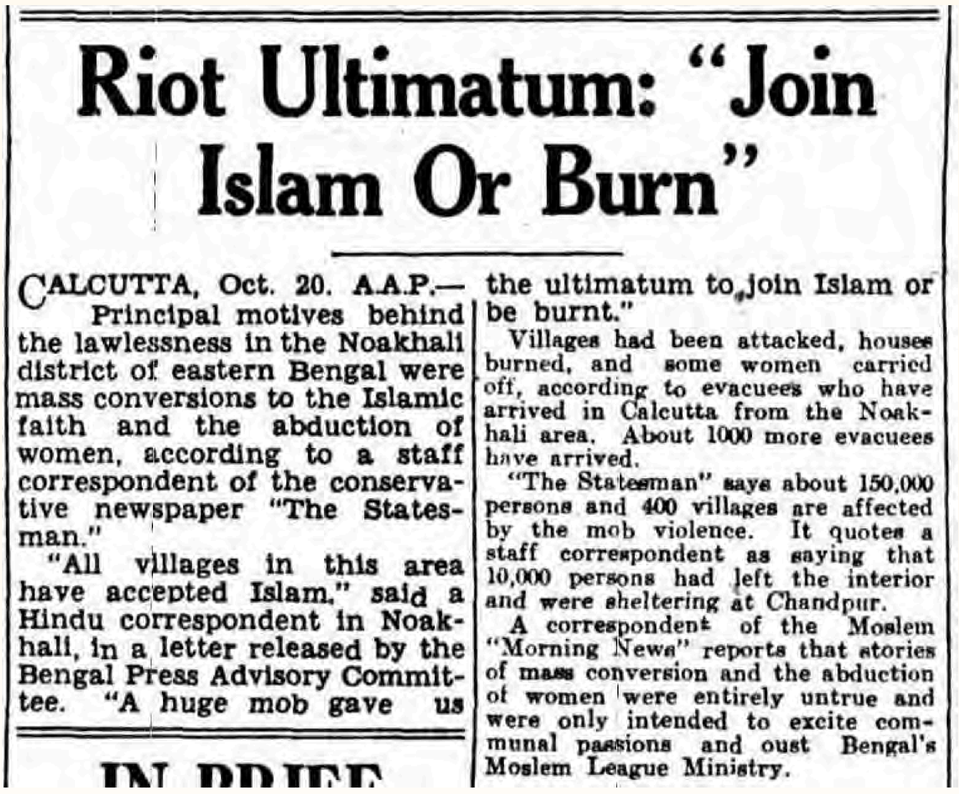

Riot Ultimatum: "Join Islam Or Burn"

CALCUTTA, Oct. 20. A.A.P.— Principal motives behind the lawlessness in the Noakhali district of eastern Bengal were mass conversions to the Islamic faith and the abduction of women, according to a staff correspondent of the conservative newspaper "The Statesman."

"All villages in this area have accepted Islam," said a Hindu correspondent in Noakhali, in a letter released by the Bengal Press Advisory Committee. "A huge mob gave us the ultimatum to join Islam or be burnt."

Villages had been attacked, houses burned, and some women carried off, according to evacuees who have arrived in Calcutta from the Noakhali area. About 1000 more evacuees have arrived.

"The Statesman" says about 150,000 persons and 400 villages are affected by the mob violence. It quotes a staff correspondent as saying that 10,000 persons had left the interior and were sheltering at Chandpur.

A correspondent of the Moslem "Morning News" reports that stories of mass conversion and the abduction of women were entirely untrue and were only intended to excite communal passions and oust Bengal's Moslem League Ministry.

IN BRIEF

16 अक्टूबर, 1946 को स्टेट्समैन में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार:

"लगभग 200 वर्ग मील के क्षेत्र में दंगाई भीड़ द्वारा घिरे निवासियों का नरसंहार किया जा रहा है, उनके घर जलाए जा रहे हैं, उनकी महिलाओं को जबरन ले जाया जा रहा है और हज़ारों लोगों का जबरन धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। हज़ारों गुंडों ने गांवों पर हमला किया, उन्हें (हिंदुओं को) अपने मवेशियों को काटने और खाने के लिए मजबूर किया। प्रभावित गांवों में सभी पूजा स्थलों को अपवित्र कर दिया गया है। नोआखली के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक ने इसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया,"

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

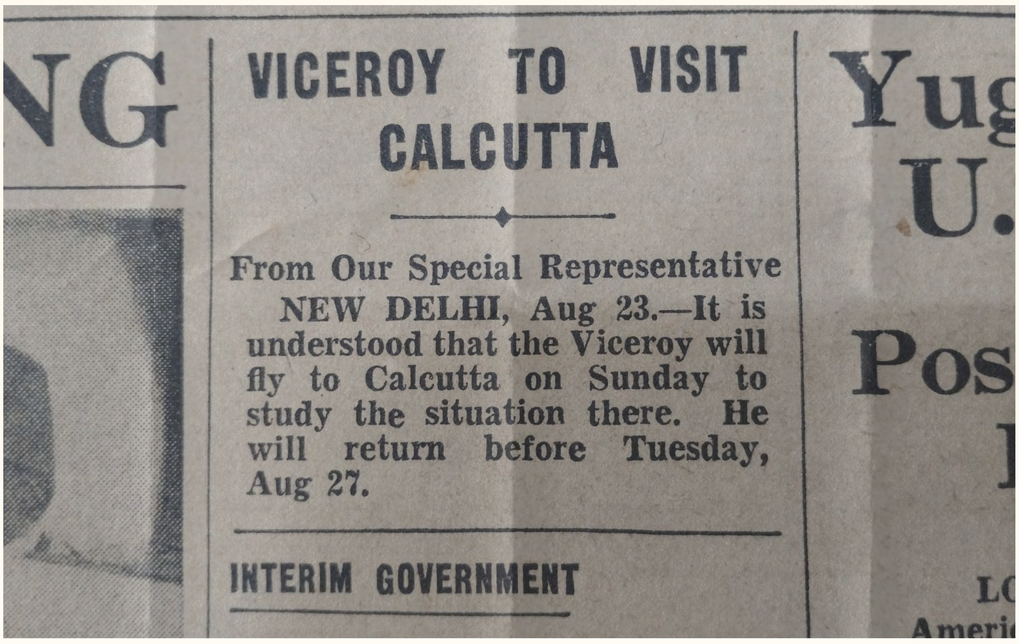

VICEROY TO VISIT CALCUTTA

From Our Special Representative

NEW DELHI, Aug 23.—It is understood that the Viceroy will fly to Calcutta on Sunday to study the situation there. He will return before Tuesday, Aug 27.

INTERIM GOVERNMENT

वायसराय का कलकत्ता दौरा

हमारे विशेष प्रतिनिधि नई दिल्ली, 23 अगस्त, - "ऐसा माना जा रहा है कि वायसराय रविवार को कलकत्ता के हालात का जायजा लेने वहां जाएंगे। वे मंगलवार, 27 अगस्त से पहले वापस लौट आएंगे।"

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



दो दिनों में 270 की मृत्यु हुई, 1600 घायल हुए

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



THE MONDAY STA

COMMUNAL RIOTS IN CALCUTTA

(Continued from Page 1.)

dawn rioting again flared up, Narkeldanga, Harrison Road, Mechuabazar Street, Manicktolla, and Cossipore being the most severely affected.

NEW MARKET RANSACKED

Life in the city was again paralysed. The New Market, in the heart of the shopping and amusement centre, was attacked and many shops were ransacked. Three large fires broke out in North and Central Calcutta.

Shortly after midday on Saturday the first news came through that the military had been called out in support of the police and that Sec 144 had been proclaimed. As the day wore on it was learned that military operations had been succes

COMPANY NO

Re 1-8 per line Minimum

FORD & MACDONAI

In the Matter of the Indi and in the Matter of Debe dated 10th of March, o hundred and

Notice is hereby given the Debenture Holders of Limited will be held Office of the Company, pore, on Saturday, the 3 9 a.m.

कलकत्ता में सांप्रदायिक दंगे

शहर में जनजीवन फिर से ठप्प हो गया। शॉपिंग एवं मनोरंजन केंद्र के बीचोबीच स्थित नए बाजार पर हमला किया गया और कई दुकानों में तोड़फोड़ की गई। उत्तरी और मध्य कलकत्ता क्षेत्र में तीन जगहों पर भीषण आग लगी।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

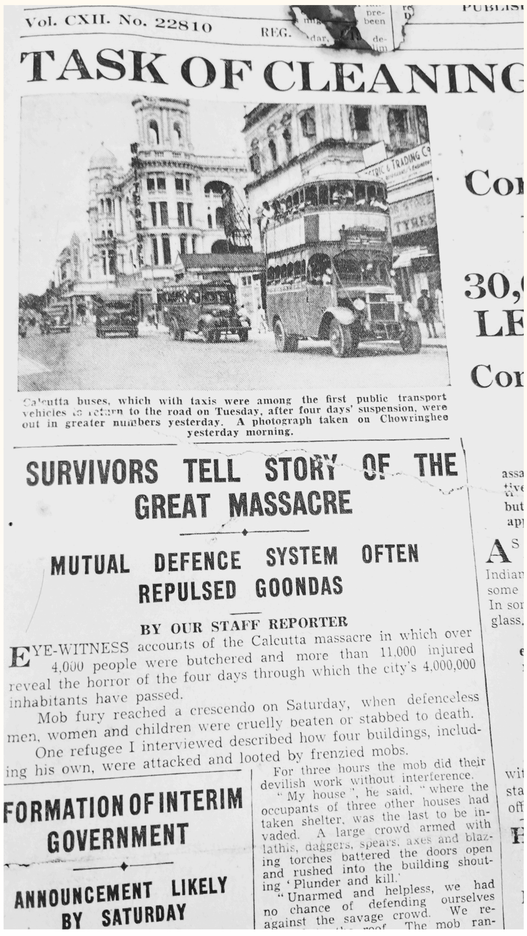

Vol. CXII. No. 22810 REG.

TASK OF CLEANING

Calcutta buses, which with taxis were among the first public transport vehicles to return to the road on Tuesday, after four days' suspension, were out in greater numbers yesterday. A photograph taken on Chowringhee yesterday morning.

SURVIVORS TELL STORY OF THE GREAT MASSACRE

MUTUAL DEFENCE SYSTEM OFTEN REPULSED GOONDAS

BY OUR STAFF REPORTER

EYE-WITNESS accounts of the Calcutta massacre in which over 4,000 people were butchered and more than 11,000 injured reveal the horror of the four days through which the city's 4,000,000 inhabitants have passed.

Mob fury reached a crescendo on Saturday, when defenceless men, women and children were cruelly beaten or stabbed to death.

One refugee I interviewed described how four buildings, including his own, were attacked and looted by frenzied mobs.

For three hours the mob did their devilish work without interference.

"My house", he said, "where the occupants of three other houses had taken shelter, was the last to be invaded. A large crowd armed with lathis, daggers, spears, axes and blazing torches battered the doors open and rushed into the building shouting 'Plunder and kill.'

"Unarmed and helpless, we had no chance of defending ourselves against the savage crowd. We re-

FORMATION OF INTERIM GOVERNMENT

ANNOUNCEMENT LIKELY BY SATURDAY

आपसी रक्षा प्रणाली के फलस्वरूप गुंडों को खदेड़ दिया गया।

कलकत्ता नरसंहार के प्रत्यक्षदर्शियों के विवरण, जिसमें 4000 से अधिक लोग मारे गए थे और 11,000 से अधिक घायल हुए थे, उन चार दिनों की भयावहता को उजागर करते हैं जिनमें शहर के 4,000,000 निवासी मारे गए थे।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

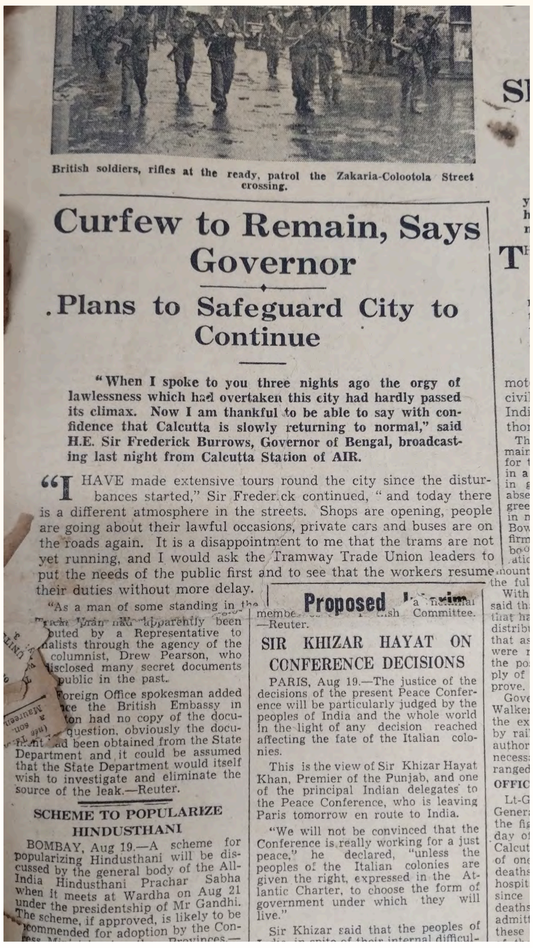

British soldiers, rifles at the ready, patrol the Zakaria-Colootola Street crossing.

Curfew to Remain, Says Governor

Plans to Safeguard City to Continue

"When I spoke to you three nights ago the orgy of lawlessness which had overtaken this city had hardly passed its climax. Now I am thankful to be able to say with confidence that Calcutta is slowly returning to normal," said H.E. Sir Frederick Burrows, Governor of Bengal, broadcasting last night from Calcutta Station of AIR.

"I HAVE made extensive tours round the city since the disturbances started," Sir Frederick continued, "and today there is a different atmosphere in the streets. Shops are opening, people are going about their lawful occasions, private cars and buses are on the roads again. It is a disappointment to me that the trams are not yet running, and I would ask the Tramway Trade Union leaders to put the needs of the public first and to see that the workers resume their duties without more delay.

"As a man of some standing in the [illegible] apparently been buted by a Representative to alists through the agency of the columnist, Drew Pearson, who disclosed many secret documents public in the past.

Foreign Office spokesman added ce the British Embassy in ton had no copy of the documquestion, obviously the docuhad been obtained from the State Department and it could be assumed that the State Department would itself wish to investigate and eliminate the source of the leak.—Reuter.

SCHEME TO POPULARIZE HINDUSTHANI

BOMBAY, Aug 19.—A scheme for popularizing Hindusthani will be discussed by the general body of the All-India Hindusthani Prachar Sabha when it meets at Wardha on Aug 21 under the presidentship of Mr Gandhi. The scheme, if approved, is likely to be recommended for adoption by the Con-

Proposed [illegible]

member[illegible]ish Committee. —Reuter.

SIR KHIZAR HAYAT ON CONFERENCE DECISIONS

PARIS, Aug 19.—The justice of the decisions of the present Peace Conference will be particularly judged by the peoples of India and the whole world in the light of any decision reached affecting the fate of the Italian colonies.

This is the view of Sir Khizar Hayat Khan, Premier of the Punjab, and one of the principal Indian delegates to the Peace Conference, who is leaving Paris tomorrow en route to India.

"We will not be convinced that the Conference is really working for a just peace," he declared, "unless the peoples of the Italian colonies are given the right, expressed in the Atlantic Charter, to choose the form of government under which they will live."

Sir Khizar said that the peoples of

राज्यपाल द्वारा कहा गया, "कर्फ्यू जारी रहेगा |"

"जब मैंने तीन रात पहले आपसे बात की थी, तब इस शहर में अराजकता का जो तांडव मचा हुआ था, वह शायद ही अपने चरम पर पहुंचा था |" महामहिम सर एच.ई. फ्रेडरिक बरोज़, बंगाल के राज्यपाल ने कल रात आकाशवाणी के कलकत्ता स्टेशन से प्रसारण करते हुए कहा। "अब मैं पूरे विश्वास के साथ यह कह पाने के लिए आभारी हूं कि कलकत्ता धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट रहा है।"

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

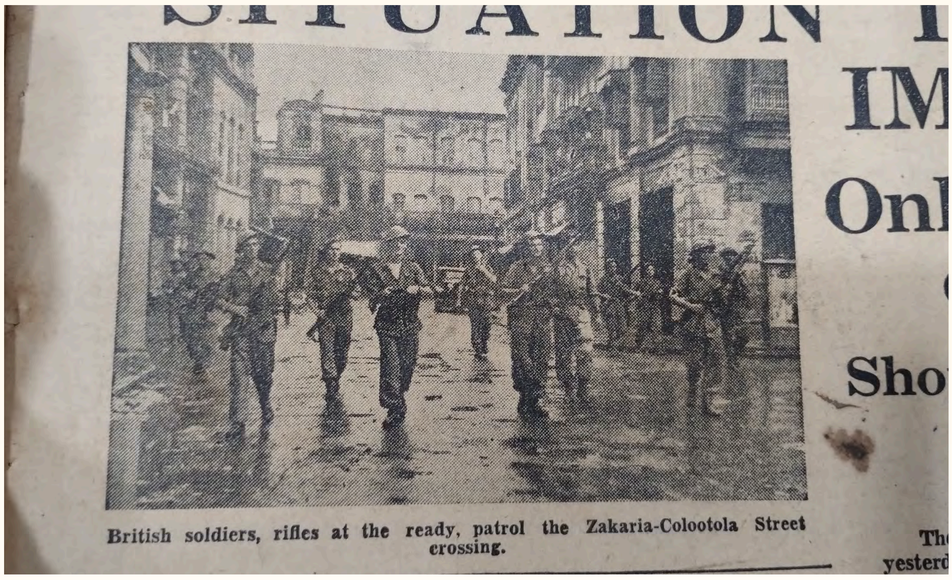

दंगारास्त क्षेत्र में मार्च करते ब्रिटिश सैनिक

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

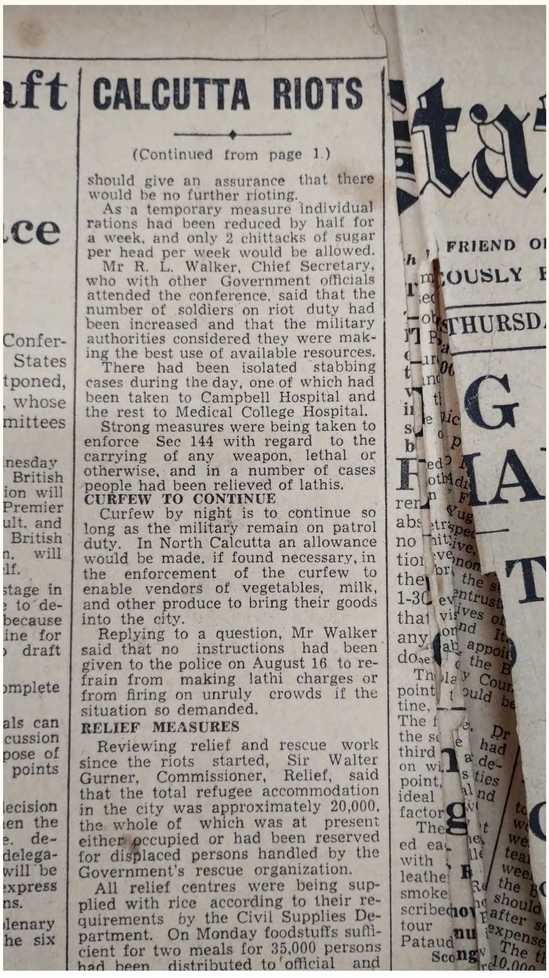

CALCUTTA RIOTS

(Continued from page 1.)

should give an assurance that there would be no further rioting.

As a temporary measure individual rations had been reduced by half for a week, and only 2 chittacks of sugar per head per week would be allowed.

Mr R. L. Walker, Chief Secretary, who with other Government officials attended the conference, said that the number of soldiers on riot duty had been increased and that the military authorities considered they were making the best use of available resources.

There had been isolated stabbing cases during the day, one of which had been taken to Campbell Hospital and the rest to Medical College Hospital.

Strong measures were being taken to enforce Sec 144 with regard to the carrying of any weapon, lethal or otherwise, and in a number of cases people had been relieved of lathis.

CURFEW TO CONTINUE

Curfew by night is to continue so long as the military remain on patrol duty. In North Calcutta an allowance would be made, if found necessary, in the enforcement of the curfew to enable vendors of vegetables, milk, and other produce to bring their goods into the city.

Replying to a question, Mr Walker said that no instructions had been given to the police on August 16 to refrain from making lathi charges or from firing on unruly crowds if the situation so demanded.

RELIEF MEASURES

Reviewing relief and rescue work since the riots started, Sir Walter Gurner, Commissioner, Relief, said that the total refugee accommodation in the city was approximately 20,000, the whole of which was at present either occupied or had been reserved for displaced persons handled by the Government's rescue organization.

All relief centres were being supplied with rice according to their requirements by the Civil Supplies Department. On Monday foodstuffs sufficient for two meals for 35,000 persons had been distributed to official and

कलकत्ता में दंगे

श्री आर.एल. वाकर, मुख्य सचिव जो अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ सम्मेलन में उपस्थित थे, ने कहा कि दंगे में ड्यूटी पर तैनात सैनिकों की संख्या बढ़ा दी गई है और वे उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग कर रहे हैं।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



पूर्वी कलकत्ता की एक सड़क पर दंगा ड्यूटी पर तैनात ब्रिटिश सैन्य चौकी, गुंडों के हमले से बचाव के लिए कांटेदार तार और रेत की बोरियां उपलब्ध कराई गई हैं। - स्टेट्समैन

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

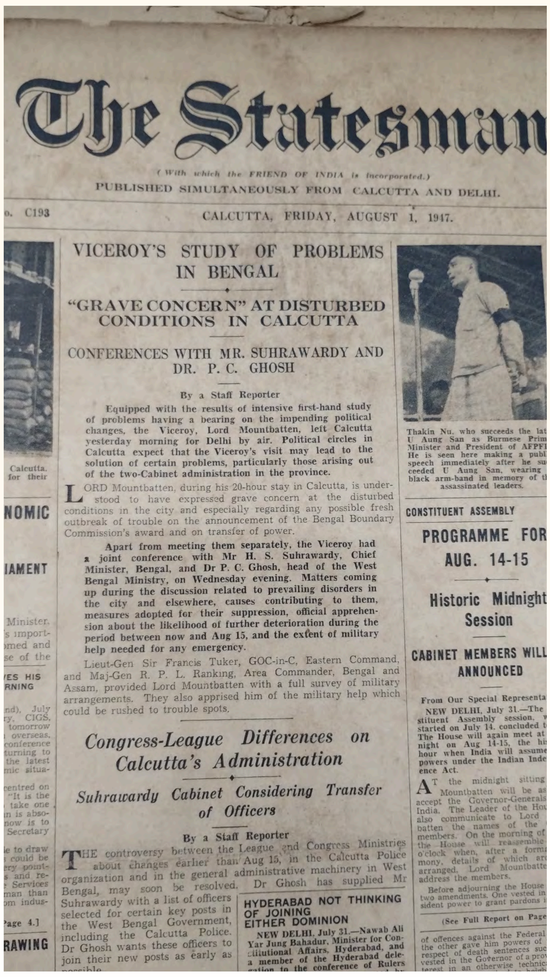

The Statesman

(With which the FRIEND OF INDIA is incorporated.)
PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM CALCUTTA AND DELHI.

o. C193 CALCUTTA, FRIDAY, AUGUST 1, 1947.

VICEROY'S STUDY OF PROBLEMS IN BENGAL

"GRAVE CONCERN" AT DISTURBED CONDITIONS IN CALCUTTA

CONFERENCES WITH MR. SUHRAWARDY AND DR. P. C. GHOSH

By a Staff Reporter

Equipped with the results of intensive first-hand study of problems having a bearing on the impending political changes, the Viceroy, Lord Mountbatten, left Calcutta yesterday morning for Delhi by air. Political circles in Calcutta expect that the Viceroy's visit may lead to the solution of certain problems, particularly those arising out of the two-Cabinet administration in the province.

LORD Mountbatten, during his 20-hour stay in Calcutta, is understood to have expressed grave concern at the disturbed conditions in the city and especially regarding any possible fresh outbreak of trouble on the announcement of the Bengal Boundary Commission's award and on transfer of power.

Apart from meeting them separately, the Viceroy had a joint conference with Mr H. S. Suhrawardy, Chief Minister, Bengal, and Dr P. C. Ghosh, head of the West Bengal Ministry, on Wednesday evening. Matters coming up during the discussion related to prevailing disorders in the city and elsewhere, causes contributing to them, measures adopted for their suppression, official apprehension about the likelihood of further deterioration during the period between now and Aug 15, and the exfent of military help needed for any emergency.

Lieut-Gen Sir Francis Tuker, GOC-in-C, Eastern Command, and Maj-Gen R. P. L. Ranking, Area Commander, Bengal and Assam, provided Lord Mountbatten with a full survey of military arrangements. They also apprised him of the military help which could be rushed to trouble spots.

Congress-League Differences on Calcutta's Administration

Suhrawardy Cabinet Considering Transfer of Officers

By a Staff Reporter

THE controversy between the League and Congress Ministries about changes earlier than Aug 15, in the Calcutta Police organization and in the general administrative machinery in West Bengal, may soon be resolved. Suhrawardy with a list of officers selected for certain key posts in the West Bengal Government, including the Calcutta Police. Dr Ghosh wants these officers to join their new posts as early as

HYDERABAD NOT THINKING OF JOINING EITHER DOMINION

NEW DELHI, July 31.—Nawab Ali Yar Jung Bahadur, Minister for Constitutional Affairs, Hyderabad, and a member of the Hyderabad delegation to the conference of Rulers

Thakin Nu, who succeeds the lat U Aung San as Burmese Prim Minister and President of AFPF He is seen here making a publ speech immediately after he su ceeded U Aung San, wearing black arm-band in memory of t assassinated leaders.

CONSTITUENT ASSEMBLY

PROGRAMME FOR AUG. 14-15

Historic Midnight Session

CABINET MEMBERS WILL ANNOUNCED

From Our Special Representa

NEW DELHI, July 31.—The stituent Assembly session, started on July 14, concluded The House will again meet at night on Aug 14-15, the hi hour when India will assume powers under the Indian Inde ence Act.

AT the midnight sitting Mountbatten will be as accept the Governor-Generals India. The Leader of the Hou also communicate to Lord batten the names of the members. On the morning of the House will reassemble o'clock when, after a formu mony, details of which are arranged, Lord Mountbatt address the members.

Before adjourning the House two amendments. One vested in sident power to grant pardons

(See Full Report on Page

of offences against the Federal the other gave him powers of respect of death sentences suc vested in the Governor of a pro tence in an otherwise technic

बंगाल की समस्याओं पर वायसराय का अध्ययन

ऐसा समझा जाता है कि लॉर्ड माउंटबेटन ने कलकत्ता में अपने 20 घंटे के प्रवास के दौरान शहर की अशांत स्थितियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी, तथा विशेष रूप से बंगाल सीमा आयोग के निर्णय की घोषणा एवं सत्ता हस्तांतरण पर किसी भी संभावित नए संकट के बारे में चिंता व्यक्त की थी।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

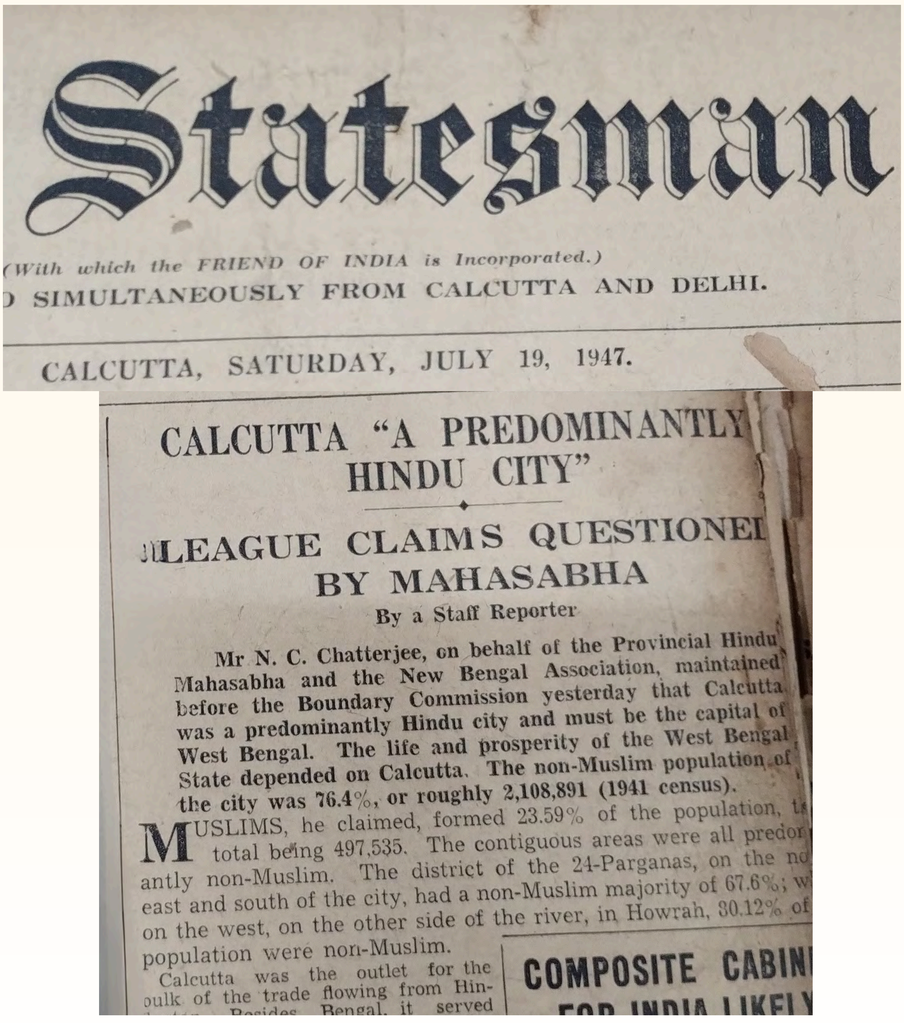

Statesman

(With which the FRIEND OF INDIA is Incorporated.)
SIMULTANEOUSLY FROM CALCUTTA AND DELHI.

CALCUTTA, SATURDAY, JULY 19, 1947.

CALCUTTA "A PREDOMINANTLY HINDU CITY"

LEAGUE CLAIMS QUESTIONED BY MAHASABHA

By a Staff Reporter

Mr N. C. Chatterjee, on behalf of the Provincial Hindu Mahasabha and the New Bengal Association, maintained before the Boundary Commission yesterday that Calcutta was a predominantly Hindu city and must be the capital of West Bengal. The life and prosperity of the West Bengal State depended on Calcutta. The non-Muslim population of the city was 76.4%, or roughly 2,108,891 (1941 census).

MUSLIMS, he claimed, formed 23.59% of the population, t total being 497,535. The contiguous areas were all predor antly non-Muslim. The district of the 24-Parganas, on the no east and south of the city, had a non-Muslim majority of 67.6%; w on the west, on the other side of the river, in Howrah, 80.12% of population were non-Muslim.

Calcutta was the outlet for the bulk of the trade flowing from Hin-

COMPOSITE CABIN

कलकत्ता "एक प्रमुख हिंदू शहर"

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

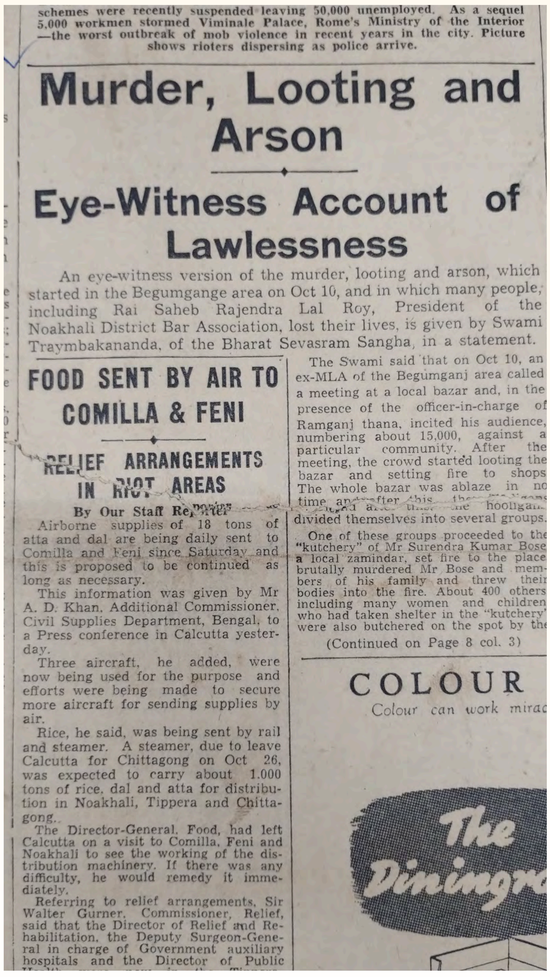

schemes were recently suspended leaving 50,000 unemployed. As a sequel 5,000 workmen stormed Viminale Palace, Rome's Ministry of the Interior —the worst outbreak of mob violence in recent years in the city. Picture shows rioters dispersing as police arrive.

Murder, Looting and Arson

Eye-Witness Account of Lawlessness

An eye-witness version of the murder, looting and arson, which started in the Begumgange area on Oct 10, and in which many people, including Rai Saheb Rajendra Lal Roy, President of the Noakhali District Bar Association, lost their lives, is given by Swami Traymbakananda, of the Bharat Sevasram Sangha, in a statement.

The Swami said that on Oct 10, an ex-MLA of the Begumganj area called a meeting at a local bazar and, in the presence of the officer-in-charge of Ramganj thana, incited his audience, numbering about 15,000, against a particular community. After the meeting, the crowd started looting the bazar and setting fire to shops. The whole bazar was ablaze in no time and after this the hooligans divided themselves into several groups.

One of these groups proceeded to the "kutchery" of Mr Surendra Kumar Bose a local zamindar, set fire to the place brutally murdered Mr Bose and members of his family and threw their bodies into the fire. About 400 others including many women and children who had taken shelter in the "kutchery" were also butchered on the spot by the

(Continued on Page 8 col. 3)

FOOD SENT BY AIR TO COMILLA & FENI

RELIEF ARRANGEMENTS IN RIOT AREAS

By Our Staff Reporter

Airborne supplies of 18 tons of atta and dal are being daily sent to Comilla and Feni since Saturday and this is proposed to be continued as long as necessary.

This information was given by Mr A. D. Khan, Additional Commissioner, Civil Supplies Department, Bengal, to a Press conference in Calcutta yesterday.

Three aircraft, he added, were now being used for the purpose and efforts were being made to secure more aircraft for sending supplies by air.

Rice, he said, was being sent by rail and steamer. A steamer, due to leave Calcutta for Chittagong on Oct 26, was expected to carry about 1,000 tons of rice, dal and atta for distribution in Noakhali, Tippera and Chittagong.

The Director-General, Food, had left Calcutta on a visit to Comilla, Feni and Noakhali to see the working of the distribution machinery. If there was any difficulty, he would remedy it immediately.

Referring to relief arrangements, Sir Walter Gurner, Commissioner, Relief, said that the Director of Relief and Rehabilitation, the Deputy Surgeon-General in charge of Government auxiliary hospitals and the Director of Public

COLOUR

Colour can work mirac

The Dinajpur

बेगमगंगे का हाल

बेगमगंगे क्षेत्र में 10 अक्टूबर को शुरू हुई हत्या, लूटपाट और आगजनी का प्रत्यक्षदर्शी विवरण । भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी त्रयम्बकानंद ने एक बयान में दिया है, जिसमें नोआखली जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राय साहब राजेंद्र लाल राय सहित कई लोगों की जान चली गई थी।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



THE SUNDAY STATESMAN, CALCUTTA, OCTOBER 20, 1946.

THE Victor Oil CO. LTD. 11, CLIVE STREET, CALCUTTA
FOR ALL LUBRICATING OILS AND VEGETABLE OILS

The Sunday Statesman

(With which THE ENGLISHMAN is Incorporated.)
PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM CALCUTTA AND DELHI

IMPERIAL LIBRARY 21/10

Vol. XII. No. 655 REG. No. C193 CALCUTTA, SUNDAY, OCTOBER 20, 1946.

MOB RULE IN NOAKHALI DISTRICT

Governor Flies Over Riot Areas

Aerial Reconnaissances Daily

Special Train Stands By To Carry Troops

The Governor of Bengal, accompanied by the Chief Minister and the Inspector-General of Police, Bengal, visited Feni and flew over the affected areas of the districts of Tippera and Noakhali yesterday, says a Press Note issued by the Government of Bengal.

It adds: Weather conditions delayed H.E.'s start, and involved a change of plans. The party was, however, able to fly over the affected areas of the districts. H.E. met the Civil Superintendent (who had gone on a [illegible]

Military Posted In Affected Areas

ABOUT 400 REPORTED KILLED

Governor And Premier Meet Local Officials

FROM OUR STAFF REPORTER

Mr Bevin, British Foreign Minister, speaking at the Paris Peace Conference. M Molotov is seen behind him as President.

"Exaggerated" Press

USA's RE[illegible] WITH [illegible]

Continue[illegible] Depl[illegible]

BYRNES O[illegible] FOREI[illegible]

WASHINGTON, Oct[illegible]
Mr Byrnes, in a broad[illegible] from the Paris Conferen[illegible] over "the continued, if [illegible] USA and Russia.

"THE two States can [illegible] willing to yield [illegible] speech lasting 30 minutes, [illegible] ed to the question of Amer[illegible]

"The USA is unwilling to d[illegible] he said. "It is equally unw[illegible] ask it of another State."

Referring to the bitter at[illegible] M Molotov and M Vyshinsky [illegible] closing stages of the Peace Co[illegible] My Byrnes commented. "I [illegible] less than frank if I did not c[illegible] bewilderment at the motiv[illegible]

नोआरावाली का हाल

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



बंगाल में लोगो के दैनिक जीवन में जलमार्ग की महत्वर्पूण भूमिका थी। वहां लोगो ने पलायन के दौरान नावो का व्यापक रूप से उपयोग किय।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



TROOPS BEAT OFF MOB ATTACK ON VILLAGE NEAR DELHI

MISCREANTS SNIPE FROM HOUSES IN DARYAGANJ, ESCAPE

STRAY STABBING CASES IN BABAR ROAD AREA

(By Our Special Correspondent)

NEW DELHI, Saturday.—There was recurrence of trouble in the Daryaganj area this evening when some Muslim rioters entrenched themselves behind a house and a mosque in the Faiz Bazar area and began firing on passersby.

One person was killed and two were injured. The police and the military took immediate action, overcame opposition and occupied the house. The rioters beat a hasty retreat through a back-lane. A military picket has been stationed in the area.

The police today carried out a number of searches to recover arms and ammunition illegally held. A Muslim house in Barakhamba Road and another on Keeling Road were searched this morning by the police aided by the military. Some weapons are reported to have been recovered, and in one Muslim house a number of guns were found against licences issued by the N.-W.F.P. Government.

A shot was fired on the occupants of 6 Keeling Road today, but the identity of the community is not known. This house has been occupied by a refugee family from Lahore. The bullet hit the window glass pane. The police is investi-

FIGHTING THE SHADOW

Boundary Awards Unreasonable

INDIA GOVT. TO SEEK MODIFICATION

PATEL VISITS RIOT AREAS

(By Our Staff Correspondent)

PREMIER VISITS CENTRAL CONTROL ROOM

MOUNTBATTEN VISITS TOWN HALL

Exchange Of Property

ये काफ़िलें विशेष रूप से भीड़ के हमले की चपेट में थे। लोग बि ना आश्रय, स्वच्छता, भोजन या पानी के बि ना चले रहे। इस कारण हजारो बुज़ुर्ग और बच्चे थकावट, भुखमरी और बीमारी से मर गए।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



ऐसा भी क्या ख़ास था हमारे हिस्से की ज़मीन में
जिसे हासि ल के लिए हमसे हमारा सब छिन गया !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

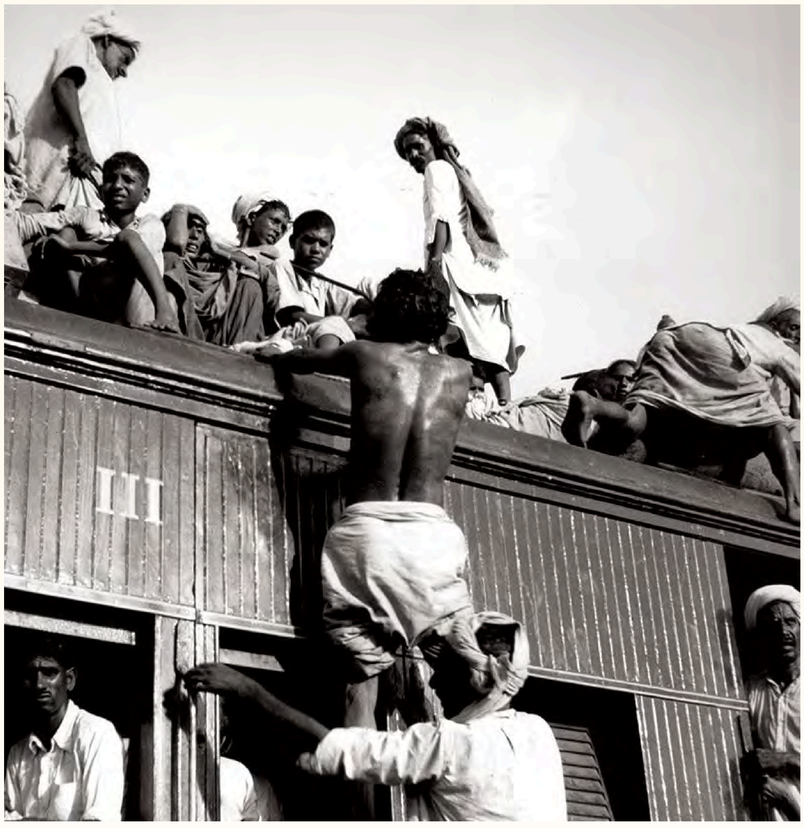

जीवन के लिए संघर्ष

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



अनिश्चितताओं का बोझ

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



यात्रियों से लड़ी ये ट्रेन का ये चित्रा उन लाखो लोगो की दास्तां को बयां करता है जो पूर्वी बंगाल से आकर कलकत्ता में बसे
(भोटो स्टेट्समैन, 1947)

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



न है ज्यादा दर्द तेरे भार का कंधे पर
जब तौलता हूँ, उसे दहशत, जंग और क्रूरता से !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



पीछे छुट गई परम्पराएँ, विरासत,
अधिकार और रिश्तेदारी !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



नई शुरुआत की उम्मीद में आखिरी ट्रेन पकड़ने की जद्दोजहद !

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



कौन किसका चाचा, कौन मामा
बस दो सूखी रोटी और पानी एक प्याला !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



कभी रहती थी विरासतें ,
परम्पराएं और साज सज्जा के
अलंकार
आज बस रह गया देह छुपाने
का कपड़ा और अनिश्चित
संसार !!



दर्द ख़ूब दिखा होगा उन बेबस
आँखों में, जो अपने
आबाद आशियाने को बिखरा
देख मरहम लगाने चल पड़े !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

कभी पटरियों पर ख्वाब दौड़ाने के सपने थे,
पटरियों ने ही ख़्वाब का जहाँ छीन लिया !!

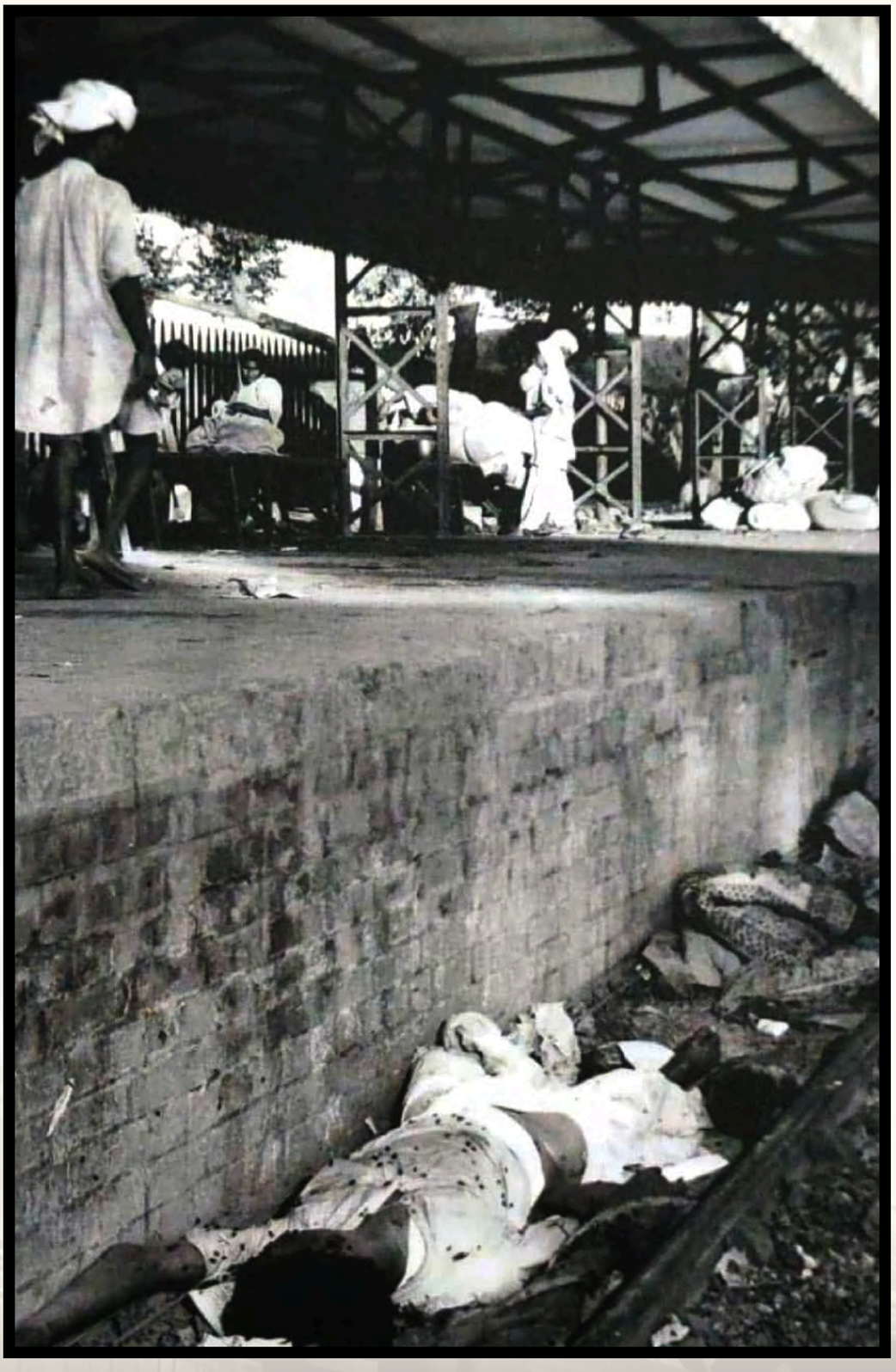

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

ट्रेनों में खाली जगह के लिए संर्घ्ष करते शरणार्थी ।

बँटवारे के समय भारत और पाकिस्तान के बीच पलायन करने वाले लोगो ने रेलगाड़ियो का व्यापक रूप से उपयोग किय था। भारत और पाकिस्तान के बीच आपसी परामर्श से रेल सुविधा को जारी रखा गया था। हर दिन 5-6 ट्रेनें दोनो ओर से चलती थी। ऐसी कई डरावनी कहानियों भी हैं, जिनमें रेलगाड़ियाँ जब अपने अंतिम गंतव्य स्थान पर पहुंची तो उनमें केवल लाशें और घायल व्यक्ति ही मौजूद थे।



सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



पानी...!! जो न हिन्दू को जानता है न मुसलमान को !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



कभी मेलो में दिखती थी ऐसी अनजानो की भीड़
आज रोटी और पनाह देने वाले रिश्तेदार बन गए !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस



FAITH IN GOVERNMENT ESSENTIAL FOR PEACE

GANDHIJI ASKS PEOPLE NOT TO TAKE LAW INTO OWN HANDS

People should leave the Government free to administer law and not take it into their own hands, said Mahatma Gandhi in his post-prayer speech on Saturday.

Gandhiji referred to the days in 1915 when he lived under the late Principal Rudra's roof. He was a staunch a Christian as he was a son of India. It was he who brought Gandhiji into contact with the late Hakim Ajmal Khan and Dr Ansari, both of whom looked upon Hindu, Muslims and other Indians with even affection and regard.

He knew that thousands of Hindu received free treatment from Hakim Saheb. He was without doubt the loved 'vaidya' of Delhi. Were those men to be classed as untouchables? It was a matter of shame that Dr Ansari's daughter, Zohra, and her husband, Dr Shaukatullah Khan, should have to abandon their home and live in a hotel for fear of Hindu and Sikhs.

He was free to confess that he would lose all interest in life, if Muslims who had produced such men could not live with perfect safety in the Union. It was suggested to him that the Muslims were all fifth columnists in the

(Contd. on back page col. 6)

NO EVACUATION OF EUROPEANS FROM DELHI

LONDON, Sept. 13.—Denying a recent Press report that three Europeans had been killed in the disturbances in Delhi, the Commonwealth Relations Office today officially stated that there was no question of evacuating Europeans from Delhi.—Reuter.

GANDHIJI'S VISITORS

Among those who called on Mahatma Gandhi on Saturday were Pandit Nehru, Sardar Vallabhbhai Patel, Sardar Baldev Singh, Mr C. K. Bhabha, Rajkumari Amrit Kaur, Maulana Abul Kalam Azad and Acharya Kripalani.

Mr. Horace Alexander of the Friends Service Unit and Mr Jamnadas Dwarkadas of Bombay also met Gandhiji.

महात्मा गांधी ने शनिवार को प्रार्थना के बाद लोगोंं से कहा कि कानून के संचालन में सरकार को सहयोग करें और उसे अपने हाथो में न लें।

– द हिंदुस्तान टाइम्स वीकली
(रविवार, 14 सितम्बर 1947)

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

उम्मीद

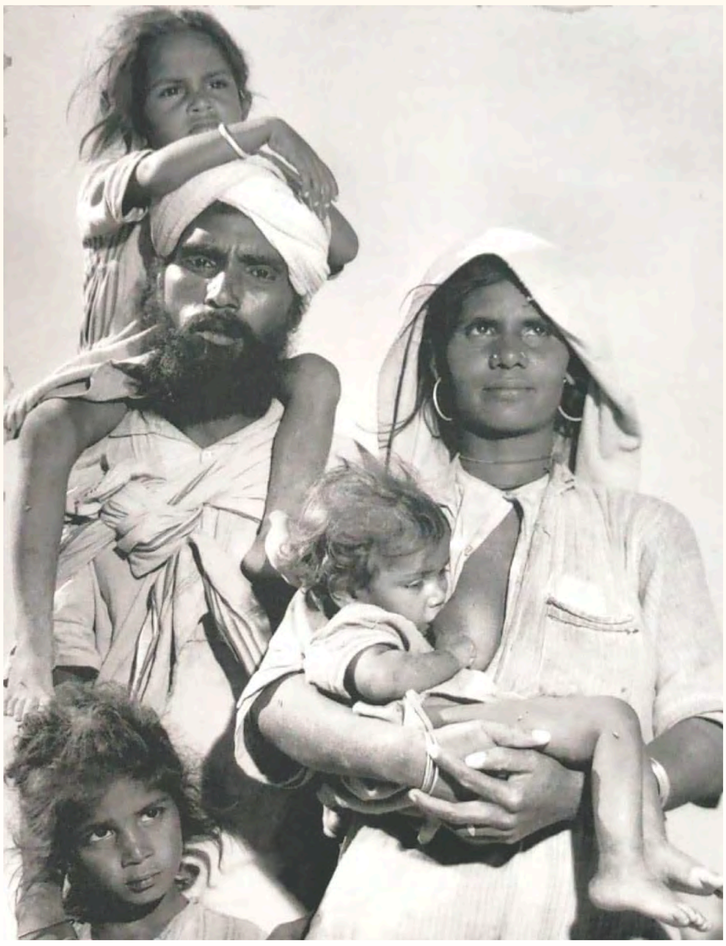

सीमा के उस पार बनाएँ एक नया संसार
चलो एक नई शुरुआत करते हैं !!

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस

"विभाजन की विभीषिका में अपने प्राण गँवाने वाले तथा विस्थापन का दर्द झेलने वाले लाखों भारत वसियों को शत शत नमन !"